P: ISSN NO.: 2394-0344

E: ISSN NO.: 2455-0817

Remarking

Vol-II * Issue- XII* May- 2016

कर्मचारियों की उत्पादकता एवं कार्यकुशलता

राहुल श्रीवास्तव
असिस्टेन्ट प्रोफेसर
अर्थशास्त्र विभाग,
सेन्ट एण्डयूज कालेज,
गोरखपुर,

सारांश

पूर्वांचल बैंक पूर्वी उत्तर प्रदे”ा के नौ जनपदो में अपने शाखा संजाल के माध्यम से बैंकिग सुविधाओ का संचालन कर रहा है। बैंक में कार्यरत प्रबन्धतंत्र में अधिकारी संवर्ग लिपिकीय संवर्ग एवं अधीनस्थ संवर्ग के लगभग 2500 लोग कार्यरत है। कर्मचारियो की उत्पादकता का परिक्षण करने की आव”यकता इसलिए अति महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि इसकी सहायता से हम संगठन का विकास, उसकी वि”ाष्ठता और संगठनात्मक कार्यो की दि”ाा तय करने में सक्षम होते हैं। यह सोचा भी नहीं जा सकता कि अच्छे संगठन का अस्तीत्व बिना उसके उत्तम संगठनात्मक व्यवहार के सम्भव है। संगठन के सदस्यो का कार्य के प्रति तत्परता और समस्याओं के प्रति उत्साह वर्धक प्रवृति, इस बात पर निर्भर करती है कि कर्मचारी का शैक्षणिक स्तर व्यक्तियो में निहित व्यवसायिक उपयोगिता आधुनिक तकनीकी और श्रम संघ का संगठन कैसा है। इस प्रकार स्पष्ट है कि नियोजन संगठन और नियंत्रण के साथ–साथ कर्मचारियो की तत्परता और कु”ालता ही किसी संस्था के विकास के लिए पृष्ठभूमि तैयार करती है। कार्य के प्रति तत्परता और उत्साही प्रवृत्ति का संयुक्त परिणाम के नैतिकता का बोध कराता है। यह माना जाता है कि उच्च उद्यम”ाीलता और उच्च नैतिकता के मध्य धनात्मक सम्बन्ध होता है।

मुख्य शब्द : उत्पादकता, नैतिकता, तत्परता, कार्य संतुष्टि और कु”ालता।

प्रस्तावना

संगठन का विकास, उसकी वि”ाष्ठता और संगठनातम्क कार्यो की दि”ाा संगठन में कायरत सदस्यों की शक्ति अर्थात् उत्पादकता पर निर्भर करती है। यह सोचा भी नहीं जा सकता कि अच्छे फर्म का अस्तित्व बिना उत्तम संगठन के सम्भव हो सकता है। संगठन के सदस्यों का कार्यो में तत्परता और समस्याओं के प्रति उत्साहवर्धक प्रवृति इस बात पर निर्भर करता है कि कर्मचारियों का शैक्षणिक स्तर कैसा है, व्यक्तियों में निहित व्यवसायिक उपयोगिता कितनी है, आधुनिक तकनीका एवं श्रम संघ का संगठन कैसा है। इस प्रकार स्पष्ट है कि नियोजन, संगठन और नियंत्रण के साथ–साथ कर्मचारियों की तत्परता या कु”ालता भी किसी फर्म के विकास के लिए नितान्त आव”यक है। कार्य के प्रति तत्परता और उत्साही प्रवृति का संयुक्त परिणाम ही नैतिकता या अनु”ाासन स्तर को द”ाता है।

यह माना जाता है कि उच्च उद्यम”ाीलता और उच्च उत्पादकता का गहरा सम्बन्ध होता है। कुल्टज और उनके सहयोगियों ने पाया कि उद्यम”ाीलता के चार आयाम होते हैं– कार्यसंतुष्टि, मजदूरी से सन्तुष्टि, कम्पनी की पहचान और कार्य समूह में सम्मान भाव। केवल अन्तिम आयाम महत्वपूर्ण रूप से उत्पादकता से सम्बन्धित है। कुट्स और ब्रूम ने माना की उद्यम”ाीलता के वि”ाष्ट स्तर का सम्बन्ध उत्पादन”ाीलता से होता है।

गेलरमैन ने द”ााया कि ''कमजोर उद्यमिता हड़ताल, कामचोरी, बहानेवाजी और कष्ट देने वाले कार्यो से उत्पन्न होती है, जो किसी भी प्रकार के कार्यो की उत्पादकता को कम कर सकता है, जबकि सामंजस्य पूर्ण उद्यमिता एवं उत्पादकता को उच्च सीमा तक पहुचा सकती है। मिलर और फर्म ने परिस्थिति अन्य कारण सम्बन्ध को ध्यान में रखकर नैतिकता और उत्पादकता के मध्य अधोलिखित चार संयोगों की चर्चा की–

1	उच्च उत्पादकता	उच्च नैतिकता
2	निम्न उत्पादकता	उच्च नैतिकता
3	उच्च उत्पादकता	निम्न नैतिकता
4	निम्न उत्पादकता	निम्न नैतिकता

उच्च उत्पादकता के साथ उच्च नैतिकता तभी सम्भव होती है जब समूह के लक्ष्य संतुष्ट हों और साथ ही साथ व्यक्तिगत लक्ष्य जिसमें कार्य करने की स्वतंत्रता, अच्छी मजदूरी एवं वेतन निर्धारण, सेवा के प्रति रूचि इत्यादि भी

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking
Vol-II * Issue- XII* May- 2016

संतुष्ट हो। ऐसी स्थिति में नैतिकता और उत्पादकता में प्रत्यक्ष धनात्मक सम्बन्ध होता है। द्वितीय स्थिति निम्न उत्पादकता के साथ उच्च नैतिकता की होती है।

यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब निजी लक्ष्य या उद्दे"य संतुष्टि हो, किन्तु प्रबन्धकीय नियोजन और तकनीकी ज्ञान का अभाव होता है। तृतीय स्थिति उच्च उत्पादकता के साथ निम्न नैतिकता की होती है। जब प्रबन्धक अपने नियोजन क्षमताओं के माध्यम से उच्च उत्पादकता लाने में सक्षम होता है किन्तु लोगों की कार्य के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित करने में अक्षमता की स्थिति उत्पन्न होती है जिससे नैतिकता का स्तर निम्न हो जाता है। अन्ततः सबसे खराब स्थिति तब उत्पन्न होती है जब निम्न उत्पादकता के साथ निम्न नैतिकता व्याप्त रहती है। इस स्थिति में समूह को लक्ष्य प्राप्त करने में असफलता होती है और साथ ही साथ व्यक्तिगत संतुष्टि का स्तर भी निम्न होता है। अतः यह आव"यक है कि कर्मचारियों की उत्पादकता एवं कशलता को बढ़ाने के साथ–साथ उनमें नैतिक मूल्यों का भी विकास किया जाये। अतः स्पष्ट है कि उत्पादकता और नैतिकता के बीच चक्रीय सम्बन्ध पाया जाता है।

उच्च नैतिकता

कार्य संतुष्टि – अनुकूल वातावरण – कल्याण – कार्य दर में मजदूरी से पूर्ण संतुष्टि – कर्मचारी के मनोभाव को प्रभावित करता है जो उद्यमिता को आगे बढाता है।

1. कार्य संतुष्टि एवं असंतुष्टि
2. सेवक का दुःख
3. श्रमिको का वाह्यगमन

सामान्य रूप में कर्मचारियों के व्यवहार को प्रभावित करने वाले तथ्यों का अध्ययन करने के उपरान्त पूर्वांचल बैंको के कर्मचारियों के व्यवहार को प्रभावित करने वाले मुख्य तथ्यों का वि"लेषण करना आव"यक हो जाता है। कर्मचारियों का व्यवहार निम्नलिखित तथ्यों पर आधारित है।

1. कार्य के प्रतिदृष्टिकोण
2. व्यवसाय संतुष्टि के प्रति दृष्टिकोण
3. प्र"ाासक के प्रति दृष्टिकोण
4. अन्य लाभदायक जरूरत के प्रति दृष्टिकोण
5. सहकर्मियो के प्रति दृष्टिकोण
6. संगठन के प्रति दृष्टिकोण

यह और भी महत्वपूर्ण है कि कर्मचारी की नजर में संगठन का क्षेत्र कहां तक विस्तृत है। संगठन में कार्य करने की खु"ाी, संगन में विकास के अवसरों की पहचान, कम्पनी के कार्यकलाप की पहचान, इत्यादि अनेक ऐसे आधार है जिसके द्वारा कर्मियों का संगठन के प्रति दृष्टकोण का मूल्यांकन किया जा सकता है।

इस श्रेणी में निम्नलिखित कथन शामिल है :–

प्रथम तथ्य : कर्मचारी का कार्य के प्रति दृष्टिकोण		
1	मै अपनी नौकरी पसन्द करता हूँ।	सकारात्मक कथन
2	मैं अपनी नौकरी करने के बाद थकान महसूस करता हूँ।	नकारात्मक कथन
3	मैं अपने वेतन के लिए कार्य करता हूँ	नकारात्मक कथन
4	मैं अपनी अनुपस्थिति में महसूस करता हूँ कि मेरा विभाग बिगड़ रहा है	सकारात्मक कथन
द्वितीय तथ्य : कर्मचारी का व्यवसाय संतुष्टि के प्रति दृष्टिकोण		
5	मैं अपने से संतुष्ट हूँ	सकारात्मक कथन
6	मेरी क्षमता और अनुभव के अनुरूप वेतन कम है	नकारात्मक कथन
7	मुझे मेरे विभाग में कार्य का अनुकूल वातावरण मिलता है	सकारात्मक कथन
तृतीय तथ्य : सुपरवाइजर और प्रशासक के प्रति दृष्टिकोण		
8	मेरे अधिकारी मेरी समस्या में मेरी मद्द करते हैं	सकारात्मक कथन
9	सुपरवाइजर की अनुपस्थिति में मैं अपना काम आसानी से करता हूँ	नकारात्मक कथन
10	मेरा सुपरवाइजर पक्षपाती है	नकारात्मक कथन
11	मेरा सुपरवाइजर से मुधर सम्बन्ध	सकारात्मक कथन
12	मेरा सुपरवाइजर मुझे अच्छे कार्य के लिए प्रेरित करता है	सकारात्मक कथन
13	मेरी f"ाकायतें सुनी और हल की जाती है	सकारात्मक कथन
चतुर्थ तथ्य : कर्मचारी का जरूरतो के प्रति दृष्टिकोण		
14	संगठन में मेरी प्रतिभा के अवसर दिखते है	सकारात्मक कथन
पंचम तथ्य : उपलब्धियों और आकांक्षाओ के प्रति दृष्टिकोण		
15	संगठन के लक्ष्य मुझे स्पष्ट है	सकारात्मक कथन
16	मैं अपने कार्य के लिए चुनौतियां स्वीकार करता हूँ	सकारात्मक कथन
छठां तथ्य : कर्मचारियों का सहयोगियों के प्रति दृष्टिकोण		
17	मैं अपने सहकर्मियों से सम्मान पाता ह	सकारात्मक कथन
18	मैं अन्य समूह से अधिक अपने समूह से सक्रिय रहता ह	नकारात्मक कथन
19	मैं अपने सहकर्मियो से मधुर सम्बन्ध रखता हूँ	सकारात्मक कथन
20	मैं अपने सहकर्मियों के कल्याण में खु"ा रहता हूँ	सकारात्मक कथन
21	मेरे अपने सहयोगियों के सहयोग से अपना कार्य करता हूँ	सकारात्मक कथन
सांतवां तथ्य : संगठन के प्रति दृष्टिकोण		
22	संगठन कर्मचारियों के कल्याण में उत्सुक है	सकारात्मक कथन
23	मैं संगठन के लक्ष्य को पाने में उत्सुक हूँ	नकारात्मक कथन
24	पदोन्नति की नीति अच्छी और पारद"ाी है	सकारात्मक कथन
25	मैं संगठन में अपने भविष्य के प्रति आ"वस्त हूँ	सकारात्मक कथन
26	संचार और सूचना, संगठन में उच्च कोटि का है	सकारात्मक कथन

1. अधिकारी संवर्ग
2. लिपिकीय संवर्ग
3. अधीनस्थ संवर्ग

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking
Vol-II * Issue- XII* May- 2016

पूर्वांचल बैंक के ग्रामीण एवं शहरी में कार्यरत कुछ चयनित कर्मियों से प्राप्त आकडों के आधार पर अध्याय का मूल्यांकन किया गया है। प्रत्येक क्षेत्र के अन्तर्गत 5 ग्रामीण बैंक को प्र"नावली दी गयी है। विभिन्न पदो के 20 अधिकारियों से प्राप्त साक्षात्कार की अध्ययन हेतु प्रयोग किया गया है। इसके साथ–साथ बैंक के कार्यरत 15 लिपिकिय संवर्ग से साक्षात्कार और 15 अधीनस्थ संवर्ग कर्मचारियों से साक्षात्कार लिये गये हैं।

उद्देश्य

1. बैंक के उत्पादकता को प्रभावित करने वाले कारको का अध्ययन करना।
2. यह वि"लेषण करना कि कार्य के प्रति कर्मचारियो का दृष्टिकोण कैसा है।
3. व्यवसाय संतुष्टि का मूल्याकन करना।
4. सहकर्मियो के प्रति पारस्परिक सहयोग की भावना का परीक्षण करना।
5. संगठन के प्रति कर्मियो के व्यवहार का परीक्षण करना।

अध्ययन पद्धति

कर्मचारियों के व्यवहार का परीक्षण करने के लिए प्र"नावली तैयार की जायेगी। लिकर्ड स्ेल के आधार पर निर्मित पांच स्तरीय प्र"नावली सात महत्वपूर्ण तथ्यो का वि"लेषण करेगी, जिसमें पांच उत्तर चिन्हित होंगे। 5 नम्बर पूर्ण सहमत, 4 नम्बर सहमत, 3 नम्बर निष्क्रिय, 2 नम्बर असहमत तथा 1 नम्बर पूर्ण असहमत हेतु अंकित है। प्राप्त प्राथमिक आकड़ो का सांख्यिकीय विधि से परीक्षण किया जायेगा।

परिकल्पना

अध्ययन के दौरान निम्न परिकल्पनाओं पर विचार किया गया

1. कर्मचारियो की नैतिकता संगठन अर्थात् पूर्वांचल बैंक की कार्य क्षमता को बढ़ाने में सहायक होता है।
2. बैंक से प्राप्त सुविधाओं का कर्मचारियो के व्यवहार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।
3. पदोन्नति का अभाव और संगठन के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण उत्पादकता को हतोत्साहित करता है।

शोध पत्र

पूर्वांचल बैंक के कर्मचारियो की उत्पादकता एवं कार्यकु"ालता से सम्बन्धित है। नियोजित संगठन और नियंत्रण के साथ–साथ कर्मचारियों की तत्परता और कु"ालता किसी फर्म के विकास के लिए नितान्त आव"यक है। मिलर और फर्म ने परिस्थितिजन्य कारण सम्बन्ध को ध्यान में रखकर नैतिकता और उत्पादकता के मध्य अधोलिखित चार संयोगों की चर्चा की–

1. उच्च उत्पादकता के साथ उच्च नैतिकता संयोग
2. निम्न उत्पादकता के साथ उच्च नैतिकता संयोग
3. उच्च उत्पादकता के साथ निम्न नैतिकता संयोग
4. निम्न उत्पादकता के साथ निम्न नैतिकता संयोग

वर्ष 2015 तक पूर्वांचल बैंक में कुल कर्मियों की संख्या लगभग 2500 थी जिसमें 08 अधिकारी प्रायोजक बैक के (अध्यक्ष सहित) 1200 अधिकारी पूर्वांचल बैंक के लिपिकीय संवर्ग के 1000 तथा अधीनस्थ संवर्ग के 300 कर्मचारी कार्यरत है। कर्मचारियों की उत्पादकता का परीक्षण करने के लिए अधिकारी संवर्ग के 20 लिपिकीय संवर्ग के 15 एवं अधीनस्थ संवर्ग के 15 कर्मियों का चयन किया गया है।

व्यवसाय तथा गुणात्मक अभिलेख में उत्कृष्ट योगदान के साथ–साथ अन्य गैर आर्थिक चर की सकारात्मक प्रवृति ने बैंक की उत्पादकता को प्रभावित किया है। कर्मचारियों की उत्पादकता का परीक्षण करने के लिए प्र"नवाली तैयार करके, सम्बन्धित कर्मचारियों से साक्षात्कार किया गया है।

कर्मचारियों के व्यवहार का परीक्षण करने के लिए एक आसान प्र"नावली तैयार की गयी। प्र"नावली का जबाव देने वाले सम्बन्धित संवर्गो के कर्मियों तक पहुंचकर उनका साक्षात्कार लिया गया जिससे व्यवहारिक वि"लेषण और आसान हो गया। कर्मचारियों के सुझाव, नीतियॉ और प्रबन्धक के क्रियाकलाप सम्बन्धी अनेक वैकल्पिक उत्तर प्राप्त किये गये। प्र"नावली की संरचना के आधार पर निम्न अंक निर्धारित किये गये–

सकारात्मक उत्तर के लिये				
पूर्ण सहमत	सहमत	निष्क्रिय असहमत	पूर्ण असहमत	
5	4	3	2	1

नकारात्मक उत्तर के लिये				
पूर्ण सहमत	सहमत	निष्क्रिय असहमत	पूर्ण असहमत	
5	4	3	2	1

प्र"नावली में कुल 27 प्र"नों के आधार पर अधिकतम अंक 27 X 5 = 135 है। अधिकारी संवर्ग में 20 अधिकारियों का सर्वेक्षण करके प्र"नावली से प्राप्त निष्कर्ष का प्रयोग लीकर्ड स्केल विधि द्वारा करके उनकी नैतिकता का परीक्षण किया गया है। ठीक इसी प्रकार लिपिकीय संवर्ग में 15 कर्मियों को अध्ययन हेतु चयनित किया गया है। अधीनस्थ कर्मचारियों में 15 कर्मियों का चयन कर उनका परीक्षण किया गया है।

लिकर्ड स्केल विधि द्वारा और सूचकांक निम्न प्रकार किया गया है –

अंको का प्रति"ात = प्राप्त अंक/135

औसत सूचकांक = कुल अंक प्रति"ात में/लिये गये आकड़े की संख्या

अधिकारी संवर्ग नैतिकता का सूचकांक

20 अधिकारियों से प्राप्त आकड़ोंका परिणाम निम्नवत् है –

तालिका संख्या–1

अधिकारी संवर्ग – प्राप्त अंक

अधिकारी नम्बर	प्राप्त अंक	अंक प्रतिशत में
1	107	79.26
2	115	85.19
3	109	80.74
4	99	73.33
5	112	82.96
6	106	78.52
7	112	82.96
8	101	74.81
9	100	74.07

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking
Vol-II * Issue- XII* May- 2016

10	111	82.22
11	108	80.00
12	112	82.96
13	99	73.33
14	103	76.30
15	105	77.78
16	93	68.89
17	101	74.81
18	98	72.59
19	104	77.04
20	105	77.78
	कुल औसत	**77.72**

आकड़ो का प्रति"ात = (प्राप्त अंक/135) X 100
औसत निर्दे"ांक = कुल अंक प्रति"ात में/सर्वेक्षण की संख्या
= 1555.54/20 = 77.72

तालिका संख्या–2

लिपिकीय संवर्ग – प्राप्त अंक

लिपिक नम्बर	प्राप्त अंक	अंक प्रतिशत में
1	104	77.04
2	108	80.00
3	95	70.37
4	112	82.96
5	99	73.33
6	96	71.11
7	96	71.11
8	89	65.93
9	102	75.56
10	101	74.81
11	106	78.52
12	95	70.37
13	100	74.07
14	102	75.56
15	97	71.85
	कुल औसत	74.17

उपरोक्त तालिका 5.1 एवं 5.2 के आधार पर अधिकारी संवर्ग एवं लिपिक संवर्ग के नैतिकता का परीक्षण किया गया है नैतिकता की स्थिति को निम्न अनुपात में मापा जा सकता हैं :–

80 प्रति"ात से अधिक	उच्च नैतिकता
60 से 80 प्रति"ात	औसत नैतिकता
60 से कम	निम्न नैतिकता

लिपिकीय संवर्ग के अंको का प्रति"ात = (प्राप्त अंक/135) X 100
औसत निर्दे"ांक = अंको का प्रति"ात/आकड़ो की संख्या
1502/15 = 74.17

तालिका संख्या–3

अधीनस्थ संवर्ग = प्राप्त अंक

लिपिक नम्बर	प्राप्त अंक	अंक प्रतिशत में
1	82	60.74
2	90	66.67
3	95	70.37
4	89	65.93
5	99	73.33
6	102	75.56
7	101	74.81
8	93	68.89
9	85	60.96
10	79	58.52
11	98	72.59
12	103	76.30
13	83	61.48
14	74	54.81
15	80	59.29
	कुल औसत	**66.81**

अधीनस्थ संवर्ग के अंको का प्रति"ात = (प्राप्त अंक/135) X 100
औसत निर्दे"ांक = अंको का प्रति"ात/आकड़ो की संख्या
1002.22/15 = 66.81

उपरोक्त तालिकाओं की सहायता से अधिकारी संवर्ग एवं लिपिकीय संवर्ग एवं अधीनस्थ संवर्ग के नैतिकता का परीक्षण किया गया है नैतिकता की स्थिति को निम्न अनुपात में मापा जा सकता है –

अधिकारी संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक = 77.72
लिपिकीय संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक = 74.17
अधीनस्थ संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक = 66.81

कर्मचारियो के व्यवहार को प्रभावित करने वाले अनेक चरो की व्याख्या अध्याय के अन्तर्गत की गयी है। प्राप्त आकड़ो के आधार पर जो निष्कर्ष सामने आये है उनका प्रयोग केवल अध्याय के वि"लेषण में किया जा रहा है। कि बैंक कर्मी अपने कार्य के प्रति जागरूक है।

निष्कर्ष

1. शोध पत्र में यह इंगित होता है कि अधिकारी संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक 77.72 प्रति"ात, लिपिकीय संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक 74.17 प्रति"ात तथा अधीनस्थ संवर्ग नैतिकता निर्दे"ांक 66.81 प्रति"ात प्राप्त हुआ है। जो उच्च स्तरीय नैतिकता का परीचायक है।
2. कार्य के प्रति दृष्टिकोण के आधार पर लिपिकीय संवर्ग उच्चस्तरीय सकारात्मक परिणाम देते हैं जबकि अधिकारी संवग कार्य के प्रति संतोषजनक दृष्टिकोण रखते है।
3. बैंकिग व्यवसाय के प्रति अधिकारी संवर्ग का दृष्टिकोण निम्न स्तरीय है अपितु लिपिकीय संवर्ग व्यवसाय के प्रति औसतन सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं। अधीनस्थ संवर्ग के कर्मी वेतन के प्रति असंतुष्ट है।
4. अपने प्र"ासक के प्रति अधिकारी का दृष्टिकोण उच्च स्तरीय है, लिपिकीय संवर्ग कर्मचारी अपने अधिकारी के दृष्टिकोण से संतुष्ट दिखते हैं। सामान्यतः सभी के मध्य पारस्परिक सहयोग एवं अनु"ासनात्मक व्यवहार देखने को मिलता है।

P: ISSN NO.: 2394-0344
E: ISSN NO.: 2455-0817
Remarking
Vol-II * Issue- XII* May- 2016

5. पूर्वांचल बक के सभी संवर्गीय कर्मचारी में उच्च कोटि की टीम भावना विद्यमान है। अधिकारी का अपने सहकर्मियो के प्रति दृष्टिकोण उच्च स्तरीय है। लिपिकीय संवर्ग में सहयोग की भावना व्याप्त है जो संगठन के कर्मचारियों की उच्च स्तरीय व्यवहार प्रतिभा को रेखांकित करता है।
6. तीनों संवर्ग के कर्मचारियो का समग्र नैतिकता सूचकांक 73.4 प्रति"ात मापा गया है जो अवसत से अपेक्षाकृत अधिक है। नैतिकता का उच्च स्तरीय होना यह द"ार्ाता है कि कर्मचारियों की कार्य संतुष्टि, कार्य का वातावरण, वेतन इत्यादि संतुलित है जो कर्मचारियो को उच्च उत्पादकता के लिए प्रेरित करती है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. पूर्वांचल बैंक वार्षिक प्रतिवेदन।
2. अधिकारी एवं कर्मचारी लेखा विनियम।
3. तूर एन0एस0 भारती बैकिंग विधि परम्परा एक नये आयाम, सकाईलार्क पब्लिके"ान, नई दिल्ली।
4. दत्त एवं सुन्दरम के0जी0 भारतीय अर्थ"ाास्त्र 2014, एस चन्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
5. व्यवसाय प्रबन्धन, अग्रवाल एवं अग्रवाल, साहित्य भवन, आगरा।
6. मुद्रा बैंकिग टी0टी0 सेठ, साहित्य भवन, आगरा।
7. व्यवसाय प्रबन्धन एवं व्यवहार, जैन एवं सेठ, साहित्य भवन आगरा।